SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES-1(TERM-1)
Subject: HINDI

Grade - 7

Prepared by: Suman Yadav

Ls. 8 शाम-एक किसान (सर्वेश्वरदयाल सक्सेना)

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास (कविता से)

शब्दार्थ : साफ़ा : पगड़ी | चिलम :मिट्टी का बना बर्तन (जिसमें धूमपान करते हैं) |दहक: जलना | पलाश : एक वृक्ष का नाम | अँगीठी : आग रखने का बर्तन | गल्ले : जानवरों का झुंड | सिमटा : सिकुड़ता | औंधी : उलटना |

प्रश्न 1.इस कविता में शाम के दृश्य को किसान के रूप में दिखाया गया है-यह एक रूपक है। इसे बचाने के लिए पाँच एकरूपताओं की जोड़ी बनाई गई है। उन्हें उपमा कहते हैं। पहली एकरूपता आकाश और साफ़े में दिखाते हुए कविता में 'आकाश का साफ़ा' वाक्यांश आया है। इसी तरह तीसरी एकरूपता नदी और चादर में दिखाई गई है, मानो नदी चादर-सी हो। अब आप दूसरी, चौथी और पाँचवी एकरूपताओं को खोजकर लिखिए।

उत्तर-दूसरी एकरूपता-चिलम सूरज-सी चौथी एकरूपता-पलाश के जंगल की अंगीठी

पाँचवी एकरूपता-अंधकार पेड़ों का गल्ला।

प्रश्न 2.शाम का दृश्य अपने घर की छत या खिड़की से देखकर बताइए।

(क) शाम कब से शुरू हुई ?

(ख) तब से लेकर सूरज डूबने में कितना समय लगा?

(ग) इस बीच आसमान में क्या-क्या परिवर्तन आए।

उत्तर-शाम में घर की छत या खिड़की से देखने पर पता चला है कि

(क) सूर्य के पश्चिम में पहुँचने के साथ-साथ ही संध्या होने का रंगत होने लगता है।

(ख) शाम से सूरज के डूबने तक में लगभग एक से डेढ़ घंटे का समय लगा।

(ग) इस बीच आसमान में लालिमा छा जाती है, नारंगी तथा बैंगनी रंग के बादलों से आकाश व दिशाएँ ढक गईं।

प्रश्न 3.मोर के बोलने पर कवि को लगा जैसे किसी ने कहा हो–'सुनते हो'। नीचे दिए गए पक्षियों की बोली सुनकर उन्हें भी एक या दो शब्दों में बाँधिए- कबूतर कौआ मैना तोता चील हंस

उत्तर- कबूतर – कहाँ जा रहे हो?

कौआ – सुनो! रात न होने दो।

मैना – तुम मनमोहक हो।

तोता – तुम्हारा समय निराला है।

चील – थोड़ी देर तो रुको।

हंस – तुम्हारा कोई मुकाबला नहीं।

भावार्थ लिखिए—

आकाश का साफा --------भेड़ो के गल्ले -सा

संदर्भ प्रस्तुत - पद्य खण्ड वसंत भाग-2 के "शाम नामक पाठ से लिया गया है इसके कवि सर्वेश्वरदयाल "एक किसान - सक्सेनाजी है।

प्रसंग प्रस्तुत पद्य खण्ड में कवि ने जाड़े की शाम के प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया है। - दृश्य का वर्णन किया है।

व्याख्यापहाड पर बैठे एक किसान की इस प्राकृतिक दृश्य में - तरह दिखाई दे रहा हैआकाश उसके सिर पर बंधे , पहाड़ के नीचे बहती नदी घुटनो पर रखी चादर के समान पलाश के पेड़ों पर खिले लाल फूल 'के समान (पगड़ी) साफे झुंड में बैठी भेड़ों जैसा और पश्चिम दिशा में डूबता सूरज -पूर्व क्षितिज पर धना होता अंधकार ,जलती अंगीठी के समान चिल -म पर सुलगती आग की भाँति दिख रहा है। दृश्य बड़ा ही शांत है।

२)- अचानक - अधिक बोलें---- अँधेरा हा गया

संदर्भ र दयाल के शाम एक किसान नामक पाठ से लिया गया है इसके कवि सर्वेश्व १-प्रस्तुत पद्य खण्ड वसंत भाग - सक्सेना जी है।

प्रसंग - प्रस्तुत पहा खण्ड में कवि ने जाड़े के शाम के प्राकृति दृश्य का वर्णन किया है।

व्याख्या स सुनते हो। इसके बाद यह दृश्य घटना में बदल-अचानक मोर बोल उठता है। मानो किसी ने आवाज लगाई - शाम ढल जाती है और ,सूरज डूब जाता है ,उठने लगता है धुवांँ ,आग बुझ जाती है ,चिलम उलट जाती है - जाता - रात काअँधेरा हो जाता है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.नीचे लिखी पंक्तियों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए-

(क) घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी (ख) सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा।

(ग) पानी का परदा-सा मेरे आसपास था हिल रहा (घ) मँडराता रहता था एक मरियल-सा कुत्ता आसपास

(ङ) दिल है छोटा-सा छोटी-सी आशा (च) घास पर फुदकवी नन्ही-सी चिड़िया।

इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से कैसे शब्दों के साथ हो रहा है?

उत्तर-इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से संज्ञा और विशेषण शब्दों के साथ हो रहा है। चादर, गल्ले, छोटी, नन्ही संज्ञा एवं विशेषण शब्द हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग आप किन संदर्भो में करेंगे? प्रत्येक शब्द के लिए दो-दो संदर्भ (वाक्य) रचिए।

आँधी दहक सिमटा

उत्तर• आँधी- 1.शाम होते ही जोर से आँधी चलने लगी।

2.वह आँधी की तरह कमरे में आया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा।

3 दहक-1.अँगीठी में आग दहक रही थी। 2.सोमेश गुस्से से दहक रहा था।

4 सिमटा- 1.बच्चा माँ की गोद में सिमटा बैठा था। 2.सूर्य के छिपते ही कमल के फूल सिमटकर बंद होने लगे।

SUB.TEACHER HOD CO ORDINATOR PRINCIPAL